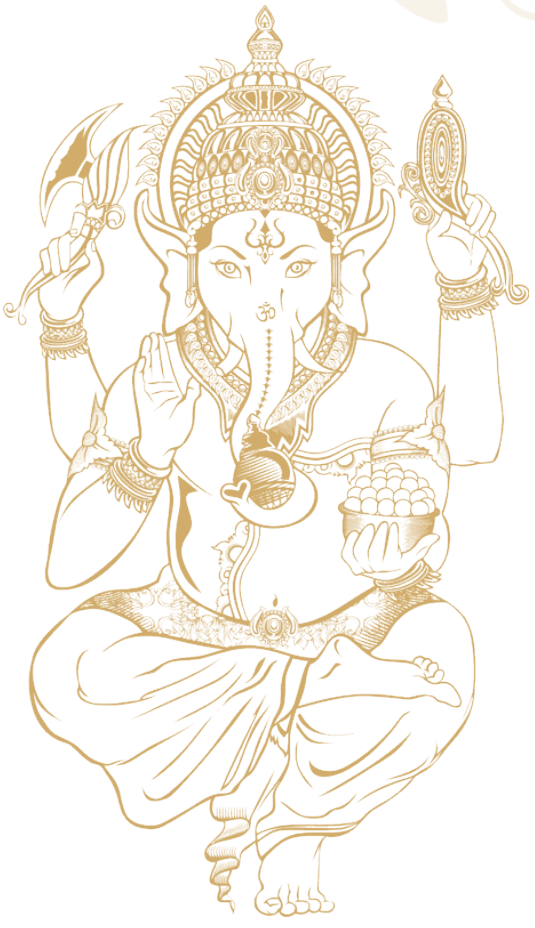

Bunty Sharma

Laxmi Sharma

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121436401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121436401 Date: 28/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/08/1987	जन्म तिथि	16/03/1987
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 12:00:00	जन्म समय	20:40:00 घंटे
घटी 14:23:41	जन्म समय(घटी)	34:48:34 घटी
India	देश	India
Kama	स्थान	Aligarh
24:54:00 उत्तर	अक्षांश	27:54:00 उत्तर
73:39:00 पूर्व	रेखांश	78:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:35:24	स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:31	सूर्योदय	06:27:20
18:58:37	सूर्यास्त	18:26:14
23:41:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:40:38

तुला	लग्न	तुला
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	कन्या
बुध	राशि-स्वामी	बुध
चित्रा	नक्षत्र	हस्त
मंगल	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
1	चरण	2
शुभ	योग	वृद्धि
विष्टि	करण	तैतिल
पे-पेशवा	जन्म नामाक्षर	ष-षटतिला
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	महिष
राक्षस	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 6वर्ष 11मा 14दि		27:11:19	तुला	लग्न	तुला	02:06:23	चन्द्र 6वर्ष 4मा 21दि	
गुरु		10:45:07	सिंह	सूर्य	मीन	01:49:08	गुरु	
12/08/2012		23:24:55	कन्या	चंद्र	कन्या	14:48:42	06/08/2018	
12/08/2028		09:46:46	सिंह	मंगल	मेष	22:46:45	06/08/2034	
गुरु	30/09/2014	18:28:11	सिंह	बुध	कुंभ	06:57:12	गुरु	23/09/2020
शनि	12/04/2017	05:55:42	मेष व	गुरु	मीन	09:38:07	शनि	06/04/2023
बुध	19/07/2019	12:07:25	सिंह	शुक्र	मक	21:59:08	बुध	12/07/2025
केतु	24/06/2020	20:54:48	वृश्चि	शनि	वृश्चि	27:18:29	केतु	18/06/2026
शुक्र	23/02/2023	08:49:33	मीन	राहु व	मीन	17:48:35	शुक्र	16/02/2029
सूर्य	12/12/2023	08:49:33	कन्या	केतु व	कन्या	17:48:35	सूर्य	05/12/2029
चन्द्र	12/04/2025	29:02:29	वृश्चि व	हर्ष	धनु	02:56:39	चन्द्र	06/04/2031
मंगल	19/03/2026	11:39:11	धनु व	नेप	धनु	14:09:36	मंगल	12/03/2032
राहु	12/08/2028	13:56:14	तुला	प्लूटो व	तुला	15:59:23	राहु	06/08/2034

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:41:04 चित्रपक्षीय अयनांश 23:40:38

लग्न-चलित

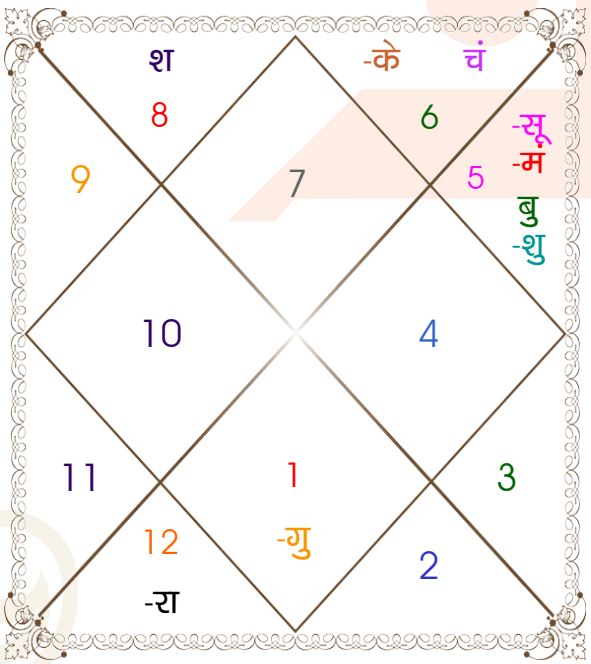

लग्न-चलित

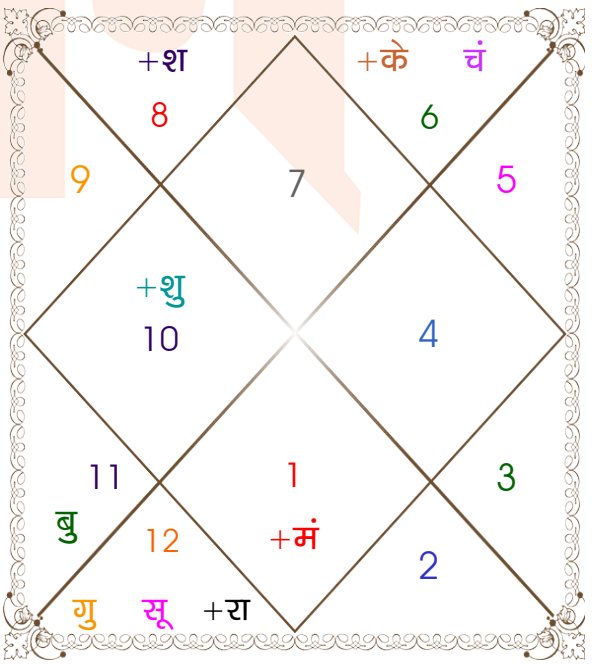

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

कुल : **28 / 36**

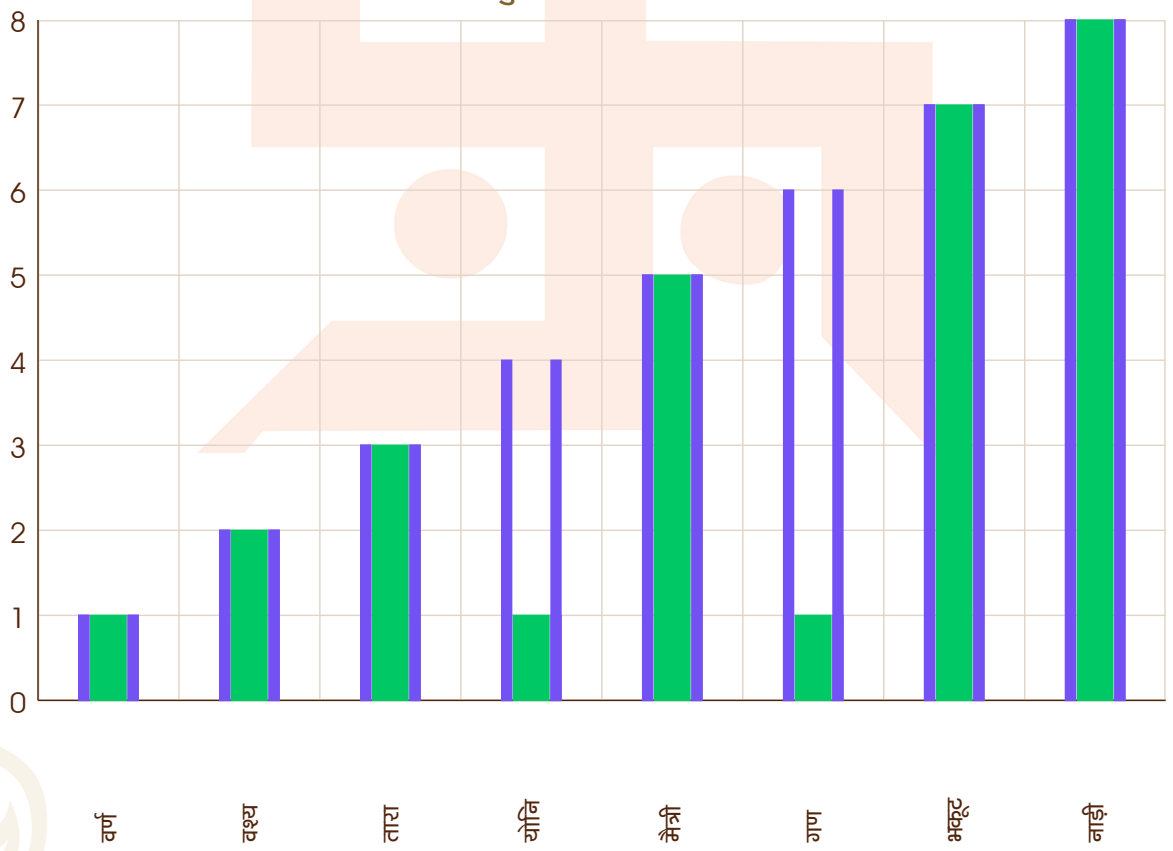

अष्टकूट मिलान

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

ठनदजलौंतउं का वर्ग मूषक है तथा रंगउपौंतउं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ठनदजलौंतउं और रंगउपौंतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ठनदजलौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

रंगउपौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल रंगउपौंतउं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्थ;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल रंगउपौंतउं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ठनदजलौंतउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ठनदजलौंतउं तथा रंगउपौंतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ठनदजलौंतउं का वर्ण वैश्य है तथा रंगउपौंतउं का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण ठनदजलौंतउं और रंगउप ौंतउं दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। ठनदजल ौंतउं और रंगउपौंतउं दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

ठनदजलौंतउं का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं रंगउपौंतउं का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। ठनदजलौंतउं एवं रंगउपौंतउं दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

ठनदजलौंतउं की तारा सम्पत तथा रंगउपौंतउं की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से ठनदजलौंतउं एवं रंगउपौंतउं दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। रंगउपौंतउं एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

ठनदजलौंतउं की योनि व्याघ्र है तथा रंगउपौंतउं की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ठनदजलौंतउं एवं स्ंगउपौंतउं दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ठनदजलौंतउं एवं स्ंगउपौंतउं दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

ठनदजलौंतउं का गण राक्षस तथा स्ंगउपौंतउं का गण देव है। अर्थात स्ंगउपौंतउं का गण ठनदजलौंतउं के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण ठनदजलौंतउं निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही ठनदजलौंतउं का स्ंगउपौंतउं के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। स्ंगउपौंतउं हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

ठनदजलौंतउं एवं स्ंगउपौंतउं दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान ठनदजलौंतउं एवं स्ंगउपौंतउं तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

ठनदजलौंतउं की नाड़ी मध्य है तथा स्ंगउपौंतउं की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ

तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त राशि कन्या है। इसके शुभ प्रभाव से ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं के मध्य स्वाभाविक समानता होगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं दोनों की जन्म राशियों का स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य परस्पर मित्रता सहयोग एवं समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे की सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगे। साथ ही परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे दाम्पत्य संबधों में स्नेह की वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान प्रदान करके सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा तथा एक दूसरे को पूर्ण सहयोग एवं सहानुभूति प्रदान करने में समर्थ होंगे। इनकी एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना रहेगी तथा सदगुणों की प्रशंसा करके कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर वैवाहिक जीवन का सुखोपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं दोनों का वश्य मानव है। अतः समान वश्य होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकता समान होगी। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे वैवाहिक जीवन की मधुरता बनी रहेगी।

ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः दोनों की कार्य क्षमता तथा प्रवृति में समानता होगी तथा धनार्जन संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही वणिक बुद्धि से सांसारिक कार्य कलाप करने में तत्पर होंगे।

धन

ठनदजलौंतउं की तारा सम्पत तथा स्ंगउपौंतउं की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से ठनदजलौंतउं सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा स्ंगउपौंतउं के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से

स्ंगउपौंतउं का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

ठनदजलौंतउं की नाड़ी मध्य तथा स्ंगउपौंतउं की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से ठनदजलौंतउं रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए ठनदजलौंतउं को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में स्ंगउपौंतउं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन स्ंगउपौंतउं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में स्ंगउपौंतउं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ठनदजलौंतउं और स्ंगउपौंतउं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

स्ंगउपौंतउं के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत स्ंगउपौंतउं के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं

रहेंगे।

स्ंगउपौंतउं अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार स्ंगउपौंतउं के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

ठनदजलौंतउं की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर ठनदजलौंतउं सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ठनदजलौंतउं ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का ठनदजलौंतउं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।